समय : २ ½ घंटे **पूर्णांक : ७५**

सूचना : १. सभी प्रश्न अनिवार्य है |

२. सभी प्रश्नों के लिए अंक समान है |

३. उत्तर पत्रिका में प्रश्न क्रमांक व उप क्रमांक अवश्य लिखें |

प्रश्न १. हिंदी साहित्य के इतिहास की परम्परा को दर्शाते हुए उनकी समस्याओं पर विस्तार से प्रकाश डालिए | **(१५)**

अथवा

आदिकालीन परिवेश की विस्तार से चर्चा करते हुए जैन साहित्य के महत्व को रेखांकित कीजिए |

प्रश्न २. भक्ति आंदोलन के विकास में आचार्यों के योगदान का वर्णन कीजिए | **(१५)**

अथवा

संत काव्य की प्रवृत्तियाँ कौन-कौन सी है, उसकी चर्चा कीजिए |

प्रश्न ३. कृष्ण भक्ति काव्यधारा के प्रमुख प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए | **(१५)**

अथवा

कवि तुलसीदास का मूल प्रतिपाद्य को रामभक्ति काव्यधारा की प्रवृत्तियों के माध्यम से स्पष्ट कीजिए |

प्रश्न ४. रीतिकालीन परिवेश को अपने शब्दों में विस्तार से लिखिए | **(१५)**

अथवा

रीतिमुक्त काव्यधारा का परिचय देकर प्रमुख प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए |

प्रश्न ५. निम्नलिखित में से किन्ही तीन विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए | **(१५)**

(क) आ. रामचंद्र शुक्ल का कालविभाजन एवं नामकरण |

(ख) सूफी काव्यधारा में 'सूफी' शब्द का अर्थ |

(ग) भक्तिकाव्य की प्रासंगिकता में 'हिंदू-मुस्लिम की एकता |'

(घ) रीतिबद्ध काव्य में शृंगारिकता |

9B1AD850C94EA654F4FA98DCEDFA5616